केन्द्रीय रेशम बोर्ड

बेंगलूरु-560068

संदेश

विविधता में एकता हमारे देश की एक प्रमुख विशेषता रही है। हमारे देश में अनेक धर्म, जाति एवं संप्रदाय के लोग रहते हैं, फिर भी हम सब मिलकर मैत्रीभाव से एक-दूसरे का सम्मान करते हैं और इस प्रकार भारतीय संस्कृति की समवेत भावना को अक्षुण्ण बनाए रखते हैं। आज, हिन्दी दिवस के अवसर पर मैं केन्द्रीय रेशम बोर्ड के सभी कार्मिकों से आह्वान करता हूँ कि वे भारतीय भाषाओं की वैविध्यता में, एकता का परिचय हिन्दी भाषा के माध्यम से दें और संविधान सभा के सपनों को साकार करने में हर संभव प्रयास करें।

के. एम. हनुमंतरायप्पा

(के.एम.हनुमंतरायप्पा)

अध्यक्ष

दिनांक : 01.09.2017

केन्द्रीय रेशम बोर्ड

बेंगलूरु - 560 068

संदेश

स्वाधीन भारत में स्व-भाषा के अस्तित्व को बनाए रखना हमारी जिम्मेदारी ही नहीं आज की आवश्यकता भी है। आपसी सौहार्द की दृष्टि से भारतीय भाषाओं के मध्य संपर्क भाषा के रूप में हिन्दी एक सशक्त माध्यम के रूप में उभरी है और यह सतत प्रगति-पथ पर अग्रसर है। मैं चाहता हूँ कि केन्द्रीय रेशम बोर्ड में हिन्दी-प्रयोग की गति त्वरित हो और यह राजभाषा क्षेत्र में अपना महत्वपूर्ण स्थान बना सके।

भारत सरकार की यह अपेक्षा रही है कि केन्द्र सरकार के कार्यालयों में हिन्दी का अधिकाधिक प्रयोग सुनिश्चित हो। प्रत्येक वर्ष 14 सितम्बर को हम राजभाषा के संबंध में अपने संवैधानिक दायित्व को याद करते हुए हिन्दी दिवस मनाते हैं। इस वर्ष, मैं केन्द्रीय रेशम बोर्ड के सभी सहकर्मियों से अपील करता हूँ कि वे इस संकल्प को साकार करने में अधिक विलंब न करें और अपने स्तर से हर संभव सहयोग प्रदान करें।

(आर.सतीश कुमार)
निदेशक (वित्त) व
सदस्य सचिव (प्रभारी)

दिनांक : 01.09.2017